PPMN

राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र - राज्य सरकार से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

सहयोग आपका प्रयास हमारा

परिष्कार पत्रिका

प्रगति की ओर

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

जयपुर सहित, किशनगढ़, अजमेर, नसीराबाद, ब्यावर, जोधपुर, बानसूर, अलवर, कोटपूतली, बहरोड़, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, कानोता, बस्सी, नीम का थाना, रींगस, सीकर, कोटा, शिवदासपुरा, भीलवाड़ा, अहमदाबाद, बीकानेर, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, मध्यप्रदेश में प्रसारित

जरूरी सूचना
यदि आपके पास परिष्कार पत्रिका डाक से आता है और हर माह की 10 व 25 तारीख को पाबंदी से नहीं आ रहा है, तो अपने पोस्टमास्टर या डाकिए से हमारी बात कराएं या सूचित करें। इसका निश्चित रूप से समाधान निकलेगा।
सम्पर्क करें 8764400196

पोस्टल रजि. Jaipur City/ 240/ 2024-26 पाक्षिक (हिन्दी राष्ट्रीय) मूल्य 2 रूपए

विशेषांक

E-Mail : parishkarpatrika@gmail.com

वर्ष - 24 » अंक 13 » जयपुर : 8 फरवरी 2026 से 22 फरवरी 2026 » RNI No : RAJHIN/2002/09810 »

इंडिया स्टोनमार्ट 2026 पत्थर उद्योग और इससे जुड़े शिल्प निर्माण क्षेत्र की भविष्य संभावनाओं के द्वार खोलने वाला हैः राज्यपाल

इण्डिया स्टोनमार्ट 2026 समापन समारोह आयोजित सुरक्षित खनन के साथ पर्यावरण और पारिस्थितिकी संतुलन पर भी ध्यान देना ज़रूरी

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने पत्थर उद्योग और उससे जुड़े प्रसंस्करण में सुरक्षित खनन के साथ पर्यावरण और पारिस्थितिकी संतुलन को प्राथमिकता में रखकर कार्य करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान पत्थरों के खनन में ही नहीं उनकी विविधता और निर्यात में भी देश में अग्रणी है। उन्होंने इण्डिया स्टोनमार्ट 2026 को पत्थर उद्योग और इससे जुड़े शिल्प निर्माण क्षेत्र, उद्यमिता की भविष्य की संभावनाओं के द्वार खोलने वाला बताया।

राज्यपाल बागडे इण्डिया स्टोनमार्ट 2026 के समापन समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पत्थर उद्योग खनन में सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करना केवल नीति का विषय नहीं, बल्कि एक परिपक्व उद्योग की नैतिक जिम्मेदारी भी है। इस मार्ट के आयोजन का अर्थ ही है-राजस्थान के पाषाण वैभव से जुड़े विचार का वैश्विक प्रसार।

उन्होंने कहा कि भारत के कुल पत्थरों के खनन और प्रंसस्करण राजस्थान का 70 प्रतिशत योगदान है। उन्होंने संगमरमर, ग्रेनाइट और बलुआ पत्थर के सबसे बड़े उत्पादकों में राजस्थान के महत्व की चर्चा करते हुए कहा कि इस समय राजस्थान मे 81 प्रकार के पत्थरों का खनन होता है। इनमे से 57 का व्यावसायिक दोहन होता है।

राज्यपाल ने पत्थर खनन से जुड़ी उद्यमशीलता और औद्योगिक विकास की संभावनाओं पर सभी स्तरों पर कार्य किए जाने का आह्वान किया। उन्होंने आयोजन स्थल पर विभिन्न स्टॉल में प्रदर्शित पत्थरों के शिल्प-सौंदर्य और निर्माण कार्यों में उनकी उपयोगिता का अवलोकन करते हुए कहा कि भारतीय पत्थर-उद्योग ने विश्वभर में अब अपनी विशिष्ट पहचान अब स्थापित कर ली है।

बागडे ने कहा कि पाषाण निर्मित दुर्ग-किले महलों, मंदिरों, हवेलियों से लेकर आधुनिक संस्थानों और सार्वजनिक स्थलों पर पत्थरों के उपयोग ने निर्माण स्थायित्व, दृढ़ता और सामूहिक स्मृति को सदा जीवंत रखा है।

बाघ, कदम और कनेक्टिविटी अलवर से गूंजा सरक्षण-फिटनेस-पर्यटन का वैश्विक संदेश

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में अलवर टाइगर इंटरनेशनल हाफ मैराथन का हुआ आयोजन

मुख्यमंत्री ने विभिन्न श्रेणियों की मैराथन को किया फ्लैग ऑफ, फिनिश लाइन पर धावकों का बढ़ाया हौसला
विदेशी धावक, सेना, पुलिस, अर्धसैनिक बलों के जवानों ने मैराथन में लिया हिस्सा
फिट इंडिया मिशन, टाइगर संरक्षण और अलवर पर्यटन को किया प्रोत्साहित
मुख्यमंत्री ने पद्म विजेता भपंग वादक गफरूद्दीन मेवाती जोगी का किया सम्मान

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार (विवि)/ परिष्कार पत्रिका

अलवर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में रविवार को अलवर के प्रताप ऑडिटोरियम से अलवर टाइगर इंटरनेशनल हाफ मैराथन का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री शर्मा के साथ केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार संजय शर्मा ने विभिन्न श्रेणियों की मैराथन को फ्लैग ऑफकिया। इस दौरान मैराथन के ब्रांड एंबेसडर अभिनेता रणदीप हुड्डा भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने 21 किलोमीटर हाफ मैराथन एलीट पुरूष एवं महिला वर्ग के विजेताओं की फिनिश लाइन पर हौसला-अफजाई की। इस दौरान उन्होंने पद्म विजेता भपंग वादक गफरूद्दीन मेवाती जोगी का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। मैराथन में 21 किलोमीटर हाफ मैराथन एलीट पुरूष एवं महिला वर्गए 21 किलोमीटर फोर्स रन, 21 किलोमीटर ओपन हाफ मैराथन, 10 किलोमीटर ओपन मैराथन का आयोजन किया गया।

मुख्यमंत्री ने प्रतिभागियों का बढ़ाया जोशए सेल्फी भी ली : अल सुबह हल्की सर्द हवाओं के बीच हजारों की संख्या में उपस्थित प्रतिभागियों ने पूरे वातावरण को जोश और जुनून से भर दिया।

संयोजकों के अनुसार सबसे पहले सुबह करीब 6 बजे 21 किलोमीटर इंटरनेशनल हाफ मैराथन शुरू हुई। इसके बाद 10 किलोमीटर रनए 5 किलोमीटर शक्ति रन और 2 किलोमीटर पैरा रन आयोजित किए गए। सभी श्रेणियों में धावकों को निर्धारित समय पर रवाना किया गया। मैराथन मार्ग पर हर 600 मीटर पर शहर की संस्थाओं, व्यापारिक संगठनों और सामाजिक समूहों द्वारा बनाए गए 40 उत्साहवर्धन प्वाइंट्स ने संगीत, नारों और तालियों के साथ धावकों का हौसला बढ़ाया।

एटीएम-2026 में केन्या, नीदरलैंड, दक्षिण अफ्रीका सहित 8 देशों के अंतरराष्ट्रीय धावकों ने भाग लिया। कुल प्रतिभागियों की संख्या 18 हजार से अधिक रही, जिसमें बड़ी संख्या में युवा, महिलाएं, वरिष्ठ नागरिक और लगभग 400 दिव्यांगजन शामिल थे। उल्लेखनीय है कि आयोजन ने अपने दूसरे संस्करण में ही राष्ट्रीय के साथ.साथ अंतरराष्ट्रीय पहचान मजबूत की।

विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं के लिए कुल 90 लाख 37 हजार 500 रुपये की पुरस्कार राशि निर्धारित की गई। इंटरनेशनल हाफमैराथन के शीर्ष विजेता को 7,500 अमेरिकी डॉलर लगभग 6.78 लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। प्रतियोगिता कुल 8 श्रेणियों में आयोजित की गई।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि यह मैराथन उस सोच को आगे बढ़ाती है, जिसमें स्वस्थ नागरिक, सुरक्षित पर्यावरण और सतत विकास एक-दूसरे के पूरक हैं और पर्यटन की दृष्टि से भी यह आयोजन अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने इस आयोजन के लिए केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव का आभार देते हुए भरोसा जताया की आने वाले वर्षों में अलवर हाफटाइगर मैराथन मुंबई और दिल्ली मैं होने वाली मैराथन जैसे आयोजन मैं शामिल होंगी, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा की राजस्थान पर्यटन इस मैराथन का अहम हिस्सा है आने वाले दिनों में स्पोर्ट्स टूरिज्म भविष्य के पर्यटन को बढ़ावा देगा।

दिल्ली-एनसीआर के सबसे नजदीकी टाइगर हैबिटैट सरिस्का टाइगर रिज़र्व से जुड़े अलवर में आयोजित यह मैराथन संरक्षण के साथ-साथ पर्यटन संवर्धन का प्रभावी माध्यम बनी। अरावली की पर्वतमालाएं, सरिस्का के जंगलए ऐतिहासिक किले और झीलें- इन सभी को इस आयोजन के जरिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों के सामने प्रस्तुत किया गया। आयोजन से होटल उद्योग, परिवहन, स्थानीय व्यापार और गाइड सेवाओं को भी उल्लेखनीय लाभ मिला।

58 टाइगर रिज़र्व के फील्ड डायरेक्टर भी हुए शामिल :

फिट इंडिया और इको-टूरिज्म को बढ़ावा : एटीएट-2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया विज़न और पर्यावरण संरक्षण की राष्ट्रीय सोच से जोड़कर देखा गया। आयोजन को अलवर को इको-टूरिज्म, वाइल्डलाइफ टूरिज्म और स्पोर्ट्स टूरिज्म के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में अहम कदम माना गया।

आयोजकों के अनुसार अलवर टाइगर मैराथन का संदेश स्पष्ट और दूरगामी रहा बाघ सुरक्षित रहेगा तो जंगल सुरक्षित रहेंगे और जंगल सुरक्षित रहेंगे तो पर्यावरण, पर्यटन और भविष्य सुरक्षित रहेगा। एटीएम-2026 ने सिद्ध किया कि जब खेल, संरक्षण और पर्यटन एक साझा उद्देश्य के साथ आगे बढ़ते हैं, तो उनका प्रभाव स्थानीय सीमाओं से निकलकर वैश्विक स्तर तक पहुंचता है।

विधानसभाअध्यक्ष ने स्कूलों को दी आधुनिक विज्ञान शिक्षा की सौगात

विधानसभा अध्यक्ष ने अजमेर के राजकीय महात्मा गांधी विद्यालयों में नव निर्मित विज्ञान प्रयोगशालाओं का किया लोकार्पण

साइकिल वितरण कर विद्यार्थियों को किया प्रोत्साहित

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार/ परिष्कार पत्रिका

अजमेर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शिक्षा के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करते हुए अजमेर जिले के महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय चौरसियावास में पीएबी योजनान्तर्गत 29.33 लाख रुपये की लागत से निर्मित पुस्तकालय एवं विज्ञान प्रयोगशाला कक्ष का लोकार्पण किया। देवनानी ने ग्राम बोराज स्थित महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में 16 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित विज्ञान प्रयोगशाला का लोकार्पण किया तथा छात्राओं को साइकिलें वितरित कर उन्हें विद्यालय आवागमन में सुविधा प्रदान कर अध्ययन के लिए प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में देवनानी ने कहा कि विद्यालयों में विकास कार्य से बच्चों के चेहरों पर रौनक आ जाती है। उनकी पढ़ाई के प्रति रुचि भी बढ़ती है। उन्होंने कहा कि आज का युग विज्ञान का है और बिना वैज्ञानिक उपकरणों के प्रयोगात्मक शिक्षा संभव नहीं है। इन अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं से ग्रामीण अंचल के विद्यार्थी भी व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे और विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ सकेंगे।

उन्होंने कहा कि ग्राम की जो बालिकाएँ नवीं कक्षा में प्रवेश लेंगी उन्हें साइकिल उपलब्ध कराई जाएगी। इससे उन्हें विद्यालय आने जाने में सुविधा मिलेगी और उनकी पढ़ाई निरंतर बनी रहेगी। देवनानी ने शिक्षकों से निष्ठा, समर्पण एवं गुणवत्ता युक्त शिक्षण कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि विद्यालय के परिणाम प्रधानाचार्य एवं शिक्षक की कार्यशैली का प्रत्यक्ष मूल्यांकन होते हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि शिक्षक समय पर विद्यालय आएं तथा प्रत्येक कक्षा में कमजोर एवं उत्कृष्ट विद्यार्थियों की पहचान कर उन पर विशेष ध्यान दें। सभी विद्यार्थी आदर्श नागरिक बन सकें।

उन्होंने कहा कि शिक्षा में विज्ञान के साथ सनातन संस्कृति, नैतिक मूल्यों और राष्ट्रभाव का समावेश भी आवश्यक है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों से विद्यालय में मिली शिक्षा की जानकारी लें तथा गृहकार्य की नियमित निगरानी करें।

देवनानी ने कहा कि वर्षा से प्रभावित विद्यालय भवनों की मरम्मत, नवीन कक्षा-कक्षों के निर्माण तथा शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार के लिए राज्य सरकार द्वारा पर्याप्त बजट प्रावधान किए गए हैं और विधायक कोष से भी सहयोग प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि अजमेर में शीघ्र ही साइंस पार्क का लोकार्पण किया जाएगा। इससे बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचिए नवाचार और समझ विकसित होगी।

सिटीपार्क में रोज शो 2026 का सफल आयोजन

500 से अधिक किस्म के गुलाबों की प्रदर्शनी ने लुभाया सभी का मन

ब्यूरो चीफ हेमलता किरार/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। रोज सोसाइटी ऑफ राजस्थान की ओर से आयोजित 51 वां रोज शो ने न केवल स्थानीय बल्कि आने वाले सभी पर्यटकों का दिल जीत लिया। शो के अलावा पार्क में राजस्थानी लोक नृत्य सहित कई अन्य कार्यक्रम भी आकर्षण का केंद्र रहे। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य सचिव श्री वी श्रीनिवास ने खुले आसमान में बैलून छोडकर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने रोज शो का दौरा कर गुलाब की किस्म के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा की जयपुराइट्स के लिए रोज़ शो एक अनूठा अवसर है जहाँ रंग और सुगंध की दावत का आनंद लेते हुए फूल की देखभाल और विकास से संबंधित वे अपने अनुभव साझा कर सकते हैं। मण्डल अध्यक्ष देबाशीष पृष्टि ने मुख्य सचिव को सिटी पार्क का अवलोकन करवाते हुए मण्डल द्वारा किए जा रहे विकास एवं सौंदर्यकरण के कार्यों के बारे में जानकारी दी। मुख्य सचिव ने सिटी पार्क की लैंडस्केपिंग तथा बागबानी की

प्रशंसा करते हुए मण्डल द्वारा किए जा रहे अनुकरणीय प्रयासों पर संतोष व्यक्त किया।

विभिन्न प्रजाति के गुलाबों के सौंदर्य और खुशबू से लबरेज हुआ सिटी पार्क

रोज सोसाइटी ऑफ़ राजस्थान के अध्यक्ष पवन अरोड़ा ने गुलाब की विभिन्न क़िस्मों के बारे में बताते हुए गुलाब के इतहास के ऊपर प्रकाश डाला और साथ ही रोज शो को अब पूरे राजस्थान में आयोजित करने की घोषणा भी की। जिसके पश्चात विभिन्न रोज प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागियों में से विजेताओं को सम्मानित किया गया जिसमे किंग ऑफ़ रोज़ अर्जुन लाल को, सचिव जयपुर विकास प्राधिकरण को क्वीन ऑफ़ रोज और प्रिंसेस ऑफ़ रोज़ पीडब्ल्यूडी कोटा को मिला।

शो में रंगों से भरे अलग-अलग प्रजाति के गुलाब रखे थे। जो लोग प्रदर्शनी देखने आ रहे थे, वे गुलाब को कैमरे में कैद करना नहीं भूल रहे थे। कोई गुलाब के साथ सेल्फी ले रहा था तो कोई रील बना रहा था। विभिन्न वस्तुओं के साथ गुलाब को खुबसूरत अंदाज में सजाया गया था। शहरवासियों को सिटी पार्क में गुलाब प्रदर्शनी में एक से बढ़कर एक चटख रंगों के गुलाब देखकर सभी का मन खिल गया। गुनगुनी धूप के साथ गुलाबों की दुनिया के साथ समय बिताना सुखद आनंद की अनुभूति दे गया। शो में आमजन ने भी विभिन्न उन्नत किस्म के गुलाब की कलम के साथ हिस्सा लिया।अच्छे गुलाबों की किस्मों को सम्मानित भी किया गया। इसके अलावा पेंटिंग कंपटीशन सहित कई अन्य रचनात्मक व सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए जिनके विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। रोज शो में नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के प्रमुख सचिव देबाशीष पृष्टि, जयपुर विकास प्राधिकरण के आयुक्त सिद्धार्थ महाजन, श्रुति भारद्वाज प्रबंध निदेशक आरएफडीसी, वि श्रवण कुमार सचिव, विज्ञान एवं तकनीकी विभाग, रमाकांत गुप्ता, संयुक्त निदेशक स्टेट इंटेलिजेंस ब्यूरो, आवासन मंडल के सचिव गोपाल सिंह, मुख्य अभियंता प्रथम अमित अग्रवाल एसोसाइटी के जनरल सेक्रेटरी अनिल कुमार भार्गव सहित जूरी के सदस्य मौजूद रहे।

सम्पादकीय

परिष्कार पत्रिका जयपुर। शुद्ध प्रेम में किसी पकार के लाभ की आकांक्षा नहीं रहती। प्रेम सर्वदा प्रेम के लिए ही होता है। भक्त इसलिए प्रेम करता है कि बिना प्रेम किए वह रह ही नहीं सकता। जब तुम किसी मनोहर प्राकृतिक दश्य को देखकर उस पर मोहित हो जाते हो तो उस दृश्य से तुम किसी फल की याचना नहीं करते और न वह दृश्य ही तुमसे कुछ मांगता है। फिर भी उस दूश्य का दर्शन तुम्हारे मन को बड़ा आनंद देता है, वह तुग्हारे मन के घर्षणों को हल्का कर तुमें शांत कर देता है और उस समय तक के लिए मानों तुम्हें अपनी नश्वर प्रकृति से ऊपर उठाकर एक स्वग्रीय आनंद से भर देता है। प्रेम का यह भाव त्रिकोणात्मक प्रेम का पहला कोण है। अपने प्रेम के बदले में कुछ मत मांगो। सदैव देते ही रहो। भगवान को अपना प्रेम दो, परंतु बदले में उनसे कुछ भी मांगो मत। त्रिकोण का दूसरा कोण यह है कि प्रेम में कोई भय नहीं रहता। जो लोग भयवश भगवान से प्रेम करते हैं, वे मनष्याधम हैं, उनमें अभी तक मनुष्यत्व विकास नहीं हुआ। वे दंड के भय से ईशवर की उपासना करते हैं। उनकी दृष्टि में ईशवर एक महान पुरुष है, जिनके एक हाथ में दंड है और दूसरे में चाबुक। उन्हें इस बात का डर रहता है कि यदि वे ईश्वर की आज्ञा का पालन नहीं करेंगे तो उन्हें कोड़े लगाए जाएंगे। पर दंड के भय से ईश्वर की उपासना करना सब से निम्न कोटि की उपासना है। एक वह उपासना कहलाने योग्य हैं ही नहीं, फिर भी यदि उसे उपासना कहें, तो वह प्रेम की सबसे भद्दी उपासना है। जब तक हृदय में किसी प्रकार का भय है, तब तक प्रैम कैसे हो सकता है। प्रेम स्वभावतः सब प्रकार के भय पर विजय प्राप्त कर लेता है। उदाहरणार्थ यदि एक युवती सड़क पर जा रहीं और उस पर कुत्ता भौंक पडे, तो वह डरकर समीपस्थ घर में घुस जाएगी। परंतु मान लो, दूसरे दिन वही स्त्री अपने बच्चे के साथ जा रही है और उसके बच्चे पर शेर झपट पड़ता है। तो बताओ, वह क्या करेगी? बच्चे की रक्षा के लिए वह स्वयं शेर के मंह में चली जाएगी। सचमुचए प्रेम समस्त भय पर विजय प्राप्त कर लेता है। भय इस स्वार्थपर भावना से उत्पन्न होता है कि मैं दुनिया से अलग हूं और जितना ही मैं अपने को क्षुद्र और स्वार्थपर बनाऊंगा मेरा भय उतना ही बढेगा। यदि कोई मनुष्य अपने को एक छोटा सा तुच्छ जीव समझे, तो भय उसे अवश्य घेर लेगा। और तुम अपने को जितना ही कम तुच्छ समझोगे, तम्हारे लिए भय भी उतना ही कम होगा। जब तक तुमें थोड़ा सा भी भय है तब तक तुम्हारे मानस-सरोवर में प्रेम की तरंगे नहीं उठ सकतीं। प्रेम और भय दोनों एक साथ कभी नहीं रह सकते। जो भगवान से प्रेम करते है, उन्हें उनसे डरना नहीं चाहिए। ईश्वर का नाम व्यर्थ में न लो इस आदेश पर ईश्वर का सच्चा प्रेमी हंसता है। प्रेम के धर्म में भगवन्निन्दा किस प्रकार संभव है? ईश्वर का नाम तुम जितना ही लोगे, फिर वह किसी भी प्रकार से क्यों न हो, तुम्हारा उतना ही मंगल है। उनसे प्रेम होने के कारण ही तुम उनका नाम लेते हो। जय हिंद।

स्त्रियों के लिए खादी एक कपड़ा नहीं, जीवन जीने का तरीका था : प्रो संगीत शर्मा

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार / परिष्कार पत्रिका

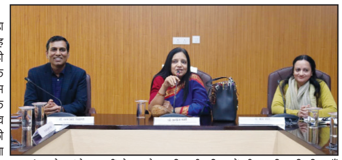

जयपुर। आजादी के आंदोलन के दौर में खादी सिर्फ एक कपड़ा नहीं बल्कि स्त्रियों के लिए यह जीवन जीने का एक तरीका था। यह उनके लिए रोजमर्रा का एक कठोर संघर्ष था। पुरुषों के लिए खादी पहनने का अनुभव अलग था जबकि महिलाओं के लिए यह एक पीड़ा भरा अनुभव होता था। खादी पहनने का राजनीतिक आयाम स्त्री और पुरुष दोनों के लिए लगभग समान था लेकिन सामाजिक तौर पर स्त्रियों के लिए यह ज्यादा कठोर और संघर्षशील अनुभव था। उपरोक्त बातें राजस्थान विश्वविद्यालय की इतिहास विभाग की पूर्व अध्यक्ष प्रो संगीता शर्मा ने कहीं। वे हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित साप्ताहिक व्याख्यान शृंखला में मुख्य वक्ता के बतौर विद्यार्थियों को संबोधित कर रही थीं। व्याख्यान का विषय आजादी के लिए महिलाओं का संघर्ष राजपूताना रियासत के स्वर था।

इस अवसर पर प्रो संगीत शर्मा ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान गांधीजी राजपूताना रियासत कभी नहीं आए, लेकिन गाँधीवादी उसूलों से प्रेरित कई रचनात्मक कार्यक्रम उस समय के राजपूताना रियासत में चल रहे थे। महिला शिक्षा, खादी, स्वदेशी आंदोलन, किसान आंदोलन जैसे कई सामाजिक राजनीतिक आंदोलन यहाँ सक्रिय थे। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश शासन के खिलाफ राजस्थान की स्त्रियाँ अगर झण्डा बुलंद कर रही थीं तो यह एक साहसिक कार्यवाही थी। क्यूंकि दूसरे प्रांतों की तुलना में राजपूताना रियासत में स्त्रियों की स्थितियाँ ज्यादा कठोर हुआ करती थी। उन्होंने आगे बताया कि ब्रिटिश भारत में अधिकतर रियासतों में तीन स्तर की सत्ता प्रणालियाँ काम कर रही थीं। एक जागीरदारी, दूसरा देसी नरेश और तीसरा ब्रिटिश शासन। देसी रियासतों के अधीन आने वाले इलाकों में समाज सुधार के आंदोलन नहीं हो पाए थे। इसलिए भी महिलाओं की सामाजिक स्थिति यहाँ ज्यादा खराब थी।

कार्यक्रम का संचालन जनसंचार संकाय की अध्यक्ष डॉ ऋचा यादव ने किया। उन्होंने मुख्य वक्ता प्रो संगीता शर्मा का स्वागत करते हुए बताया कि इतिहास में महिलाओं के योगदान का रेखांकन अक्सर कम देखने को मिलता है। प्रो संगीत शर्मा ने इतिहास में स्त्रियों की भूमिका पर गहन शोध कार्य किया है और उन्होंने राजपूताना रियासत में आधी आबादी के योगदान के अध्ययन का श्रमशील कार्य किया है। धन्यवाद ज्ञापन अकादमिक और प्रशासनिक समन्वयक डॉ रतन सिंह शेखावत ने किया। उन्होंने कहा कि प्रो संगीत शर्मा ने स्वतंत्रता आंदोलन में महिलाओं की ऐतिहासिक भागीदारी की जो पड़ताल की है, वह निश्चय ही पत्रकारिता के विद्यार्थियों के लिए इतिहास को एक नए दृष्टि से देखने में मदद करेगा। कार्यक्रम के अंत में प्रो संगीत शर्मा ने विद्यार्थियों के सवालों के जवाब भी दिए। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक मौजूद रहे।

विराट हिंदू सम्मेलन में मधु यश सम्मानित

मातृशक्ति पहली गुरु अपने आचरण से शिक्षा विद्या सामूहिक ईश्वर भजन द्वारा संस्कारित पीढ़ी निर्माण करें : मधु यश

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। मानसरोवर वीर सावरकर बस्ती के टिबेश्वर महादेव मंदिर प्रागण, किरण पथ मानसरोवर में विराट हिंदू सम्मेलन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम संयोजक आशीष पांडेय ने बताया कि मुख्य अतिथि पूर्व ए डी एम हरिशंकर गोयल तथा संजीव भार्गव मुख्य वक्ता ने साइंस ग्रेजुएट दैनिक यज्ञ कर्ता मधु यश को चुनरी और दुपट्टा ओढ़ा कर सम्मानित किया गया। मधु यश ने अपने संदेश में कहा कि यह सम्मान मेरा नहीं है बल्कि वेदों पर आधारित यज्ञमय जीवन का है। आज ईश्वर की कृपा ने संयुक्त परिवार की सफलता का माध्यम बनाकर सभी को समझाने का अवसर दिया है। यश ने आव्हान किया आओ! बच्चों को संस्कारित करने हेतु अपने आचरण से शिक्षा देकर उनके साथ सामूहिक ईश्वर की स्तुति प्रार्थना उपासना करने का संकल्प लें। यश ने कहा कि हम विश्व गुरु तब तक रहे जब तक हम प्रथम गुरु माताएं अपने आचरण से शिक्षा विद्या संस्कार देते रहे। मुख्य अतिथि गोयल व मुख्य वक्ता भार्गव ने समाज से आये सेंकड़ों बंधुओ को उद्बोधन दिया। मुख्य अतिथि एवं वक्ता ने स्वदेशी जीवनशैली भारत के स्व को पहचानने बढते जनरेशन गैप को रोक नागरिक अनुशासन को विश्वबंधुत्व की आधारशिला बताया। गोयल ने कहा कि जीवन पद्धति से प्रकृति का संवर्धन और संरक्षण द्वारा व्यष्टि से समष्टि की ओर बढ़े।

कृष्णपोल बस्ती का विराट हिन्दु सम्मेलन में उमड़ा जन सैलाब

श्रीमद्भागवत गीता के हिन्दी रूपांतरित किताब का लोकार्पण

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। आरएसएस के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में देशभर में विराट हिन्दु सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसी श्रृंखला में कृष्णपोल बस्ती चोकडी तोपखाना देश का विराट हिन्दु सम्मेलन भूरा टीबा, बाबा हरिश्चन्द्र मार्ग पर आयोजित किया गया। कृष्णपोल बस्ती आयोजन समिति के अध्यक्ष शरद खण्डेलवाल ने बताया कि हिन्दू जागरण की दिशा को नई उर्जा एवं चेतना प्रदान करने हेतु कृष्णपोल बस्ती के सर्व हिन्दू समाज द्वारा सनातन संस्कृति, सनातन धर्म एवं सामाजिक एकता के प्रतीक विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन सम्पादित किया गया। इस कार्यक्रम में बस्ती के 85 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठजन का सम्मान, हिन्दु जागृती से सम्बन्धित बच्चो की फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता, कार्यक्रम के सहयोगी भामोशाहो का सम्मान, संघ प्रतिनिधि द्वारा संघ के 100 वर्षों की गौरव गाथा एवं हनुमान चालिसा का पाठ कराया गया। समिति अध्यक्ष शरद खण्डेलवाल ने इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को समाज में सकारात्मक परिवर्तन हो इस हेतु पर्यावरण संरक्षण, कुटुम्ब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, स्वदेशी संकल्पना एवं नागरिक कर्तव्य की पालना की शपथ दिलाई। आयोजन समिति के सचिव विकास शर्मा ने बताया कि सम्मेलन में गलता पीठ के अवधेशाचार्य महाराज, कनक बिहारी मंदिर के महन्त सियारामदास महाराज, सीतारामजी मंदिर के महन्त नंदकिशोर शर्मा, नारियल वाले हनुमान मंदिर के महन्त पं. नरेन्द्र शर्मा सहित विभिन्न मंदिरों के संत-उचयमहन्त, दीनदयाल उपाध्याय ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद शुक्ला, आरएसएस से जुगकिशोर अग्रवाल ने हिन्दुत्व पर अपने विचार रखे। पूर्व मेयर ज्योति खण्डेलवाल ने मंच संचालन किया।

नगर निगम जयपुर कर रहा है कचरा प्रबंधन को सुदृढ़

अब मशीन टू मशीन होगा कचरे का निस्तारण, आमजन को भी मिलेगी राहत

100 टन प्रतिदिन क्षमता का मॉडर्न ट्रांसफर स्टेशन बनकर तैयार

सुपर सकर मशीन के माध्यम से सीवर सफाई भी हो रही सुदृढ़

ब्यूरो चीफ हेमलता किरार / परिष्कार पत्रिका

जयपुर। शहर की स्वच्छता व्यवस्था को नई तकनीकी मजबूती मिलने जा रही है। नगर निगम जयपुर द्वारा मीणा पेट्रोल पंप के पास दिल्ली रोड पर स्थापित मॉडर्न मैकेनाइज्ड ट्रांसफर स्टेशन का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। वर्तमान में स्टेशन का फाइनल ट्रायल चल रहा है और शीघ्र ही इसका संचालन शुरू किया जाएगा। इसके साथ ही बजट घोषणा के अनुरूप सुपर सकर मशीन मय डम्प ट्रक का भी सीवर सफाई कार्य के लिए संचालन किया जा रहा है।

100 टन कचरा प्रतिदिन निस्तारित करने की क्षमता

इस आधुनिक ट्रांसफर स्टेशन में प्रतिदिन 100 टन कचरे के निस्तारण की क्षमता है। इसके लिए 02 स्टैटिक कॉम्पेक्टर मशीन, 03 हुक लोडर, 06 कंटेनर लगाए गए हैं।

ऐसे होगा कचरे का ट्रांसफर : नगर निगम के विभिन्न वार्डों से ऑटो हॉपर के माध्यम से आने वाले कचरे को पहले ट्रांसफर स्टेशन पर स्थापित बिन-कार्ट में खाली किया जाएगा। इसके बाद कचरे को हाइड्रोलिक स्टैटिक कॉम्पेक्टर में दबाकर कंटेनरों में भरा जाएगा। हुक लोडर के जरिए इन कंटेनरों को सीधे प्रोसेसिंग प्लांट तक पहुंचाया जाएगा।

जमीन पर नहीं गिरेगा कचरा, बदबू और प्रदूषण से राहत : निगम आयुक्त डॉ गौरव सैनी ने बताया कि मशीन-टू-मशीन ट्रांसफर सिस्टम के कारण कचरा जमीन पर नहीं गिरेगा, जिससे आसपास के क्षेत्रों में गंदगी, बदबू और प्रदूषण की समस्या में उल्लेखनीय कमी आएगी साथ ही खुले में कचरा फैलने से होने वाले जन-स्वास्थ्य जोखिम भी कम होंगे।

फाइनल ट्रायल जारी, जल्द होगा शुरू : नगर निगम आयुक्त डॉ गौरव सैनी ने कहा मॉडर्न ट्रांसफर स्टेशन का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है और वर्तमान में फाइनल ट्रायल किया जा रहा है। इसके जल्द शुरू करने की योजना है। यह स्टेशन जयपुर की स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक व्यवस्थितए सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल बनाएगा। नगर निगम का लक्ष्य है कि कचरा प्रबंधन पूरी तरह वैज्ञानिक और तकनीक आधारित हो।

आयुक्त डॉ गौरव सैनी ने बताया कि बजट घोषणा के अनुसार एक सुपर सकर मशीन और दो डंप ट्रक का सेट का भी संचालन किया जा रहा है। इसका उपयोग हाल ही में प्रारंभ किया गया है। सुपर सकर मशीन द्वारा सीवर लाइनों में जमा सिल्ट व गंदगी को हाई प्रेशर सक्शन द्वारा खींचा जाता है तथा इसको डंप ट्रक में परिवहन किया जाता है। इस सुपर सकर मशीन का उपयोग जयपुर शहर की जिन क्षेत्रों की सीवर लाइन में अत्यधिक चोकिंग की शिकायतें बारंबार प्राप्त होती है उन क्षेत्रों में किया जावेगा। जिससे सीवर लाइन की पूर्णता सफाई की जाकर समस्या की दीर्घ कालीन निस्तारण किया जा सके।

मोदी विश्वविद्यालय के शिक्षक रूस के सेंट पीटर्सबर्ग स्टेट यूनिवर्सिटी जाएंगे

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार/ परिष्कार पत्रिका

लक्ष्मणगढ़ सीकर। मोदी यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी ने अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग की दिशा में एक और महत्त्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। विश्वविद्यालय का रूस की प्रतिष्ठित सेंट पीटर्सबर्ग स्टेट यूनिवर्सिटी के साथ सक्रिय फैकल्टी और स्टूडेंट एक्सचेंज कार्यक्रम चल रहा है, जिसके तहत दोनों संस्थानों के बीच अकादमिक सहयोग लगातार मजबूत हो रहा है। दोनों विश्वविद्यालयों के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओयू) के अंतर्गत मोदी यूनिवर्सिटी के चार शिक्षक स्प्रिंग सेमेस्टर 2026 में सेंट पीटर्सबर्ग स्टेट यूनिवर्सिटी का दौरा करेंगे। यह फैकल्टी वहां अध्यापन और शोध गतिविधियों में भाग लेगी। चयनित शिक्षक विभिन्न विषय क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिनमें - डॉ राजर्षि चक्रवर्ती स्कूल ऑफ लॉ, डॉ रचित श्रीवास्तव स्कूल ऑफलिबरल आर्ट्स एंड साइंसेज, डॉ नोंगमैथम रॉबिन सिंह स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स एंड साइंसेज, आर्किटेक्ट स्मृति सरस्वत स्कूल ऑफ डिजाइन शामिल हैं। फैकल्टी एक्सचेंज के साथ-साथ मोदी यूनिवर्सिटी के पांच विद्यार्थियों को भी सेंट पीटर्सबर्ग स्टेट यूनिवर्सिटी में रूसी भाषा पाठ्यक्रम के लिए नामांकित एवं चयनित किया गया है। यह पहल भाषा शिक्षण और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को अंतरराष्ट्रीय शिक्षा का अहम हिस्सा बनाने की विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूती देते हुए सेंट पीटर्सबर्ग स्टेट यूनिवर्सिटी के दो शिक्षक इसी वर्ष मोदी यूनिवर्सिटी का दौरा करने वाले हैं। इससे संयुक्त शोध शैक्षणिक गतिविधियों और दीर्घकालिक संस्थागत सहयोग की नई संभावनाएं खुलेंगी। मोदी यूनिवर्सिटी ऑफसाइंस एंड टेक्नोलॉजी प्रबंधन ने कहा कि विश्वविद्यालय भविष्य में भी अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों का विस्तार करता रहेगा ताकि छात्रों और शिक्षकों को वैश्विक स्तर पर सीखने और शोध के परिवर्तनकारी अवसर मिल सकें।

प्रधानाचार्या अनु चौधरी के सेवानिवृत्ति समारोह पर विद्यार्थियों ने भावुक होकर विदा किया

ब्यूरो चीफ हेमलता किरार/ भव्य परिष्कार

जयपुर। जयपुर जिले के पहले महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय अंग्रेजी माध्यम कावेरी पथ मानसरोवर की प्रधानाचार्या अनु चौधरी बड़ी मैडमजी का सेवानिवृत्ति कार्यक्रम विधालय समय पाश्चात्य विद्यालय प्रांगण में आयोजित किया। विद्यालय के स्टॉफ और सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों ने उन्हें उपहार देकर सम्मानित किया और आशीर्वाद लिया। भावुक क्षणों में उनके शानदार कार्यकाल को याद करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों ने उन्हें स्मृति चिन्ह देते हुए ग्रुप फोटो भी खिंचवाए।

संपादक परिष्कार पत्रिका, एसडीएमसी सदस्यों और स्टाफ सदस्यों ने प्रधानाचार्या अनु चौधरी को भी एक यादगार विदाई दी। जिसमें सभी ने शुभकामना संदेश के द्वारा उनके समर्पण को सम्मानित करने और भविष्य के लिए खुशी की कामना की। परिष्कार पत्रिका परिवार की ओर से प्रधान संपादक हेमलता किरार और संपादक रविसिंह किरार ने प्रधानाचार्य अनु चौधरी का दुपट्टा अेढ़ाकर और बुग्गा देकर परिष्कार पत्रिका परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए स्वस्थ और मंगलमय जीवन की कामना की। इन शुभकामनाओं ने उनकी विदाई को यादगार बनाया और उन्हें उनके मेहनत भरे करियर के बाद आने वाले सुकून भरे समय के लिए प्रोत्साहित करेगा। इस

अनु चौधरी ने अपने कार्यकाल में जयपुर जिले के पहले अंग्रेजी माध्यम महात्मा गांधी विधालय कावेरी पथ के प्रधानाचार्या के रूप मे अपनी अनुकरणीय सेवाएँ 22 जून 2019 से प्रारम्भ की और जग जाहिर है कि उनके निर्देशन में विधालय ने विभिन्न शैक्षिक आयाम पर परचम लहराए है। यही कारण की यहां के विद्यार्थियों की पहचान अन्य सरकारी विद्यालयों से अलग है। विद्यालय में समय-समय पर उनके नेतृत्व में राजकीय समारोह का आयोजन किया गया। जिनमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और शिक्षा मंत्री मदन दिलावार ने भी शिरकत की। जून 2019 में एक जुनून और कर्मठता से परिपूर्ण टीम के साथ आपने हमारे स्कूल में सभी सुविधाएं मुहैया करवाई। जहाँ 2019 में दरियों पर बैठने वाले बच्चे अब वैल फर्निश्ड और डिजिटल क्लास रूम में शिक्षा प्राप्त कर रहे है।

अनु चौधरी प्रधानाचार्य राज्य शिक्षक पुरुस्कार सम्मानित ने 32 साल 10 माह और 27 दिनों की राजकीय सेवा के सफलता पूर्वक पूरी की। इस अवसर पर जयपुर वेस्ट ब्लॉक के एसीबीईओ श्याम मुरारी रंकावट, सीमा विज सीआरसी प्रिंसिपल, रामअवतार गुप्ता पूर्व पार्षद, रविसिंह किरार

एतिहासिक सेवानिवृत्ति समारोह में अनु चौधरी ने 5100 रुपए प्रत्येक वर्ष 12वीं क्लास में टॉप करने वाले विद्यार्थी को देने की घोषणा की जो निरंतर आजीवन जारी रहेगी।

विद्यालय के सभी शिक्षकों ने उनके गौरवपूर्ण क्षणों को याद करते हुए भावुक होकर विदाई दी।

जैन धर्म जीवन जीने की कला, अहिंसा का संदेश पूरे विश्व के लिए प्रभावी : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार / परिष्कार पत्रिका

लाड़नूं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि जैन धर्म जीवन जीने की कला है। इसमें पांच महाव्रतों का महत्व अधिक है। जिनमें अहिंसा का संदेश पूरे विश्व में प्रभावी सिद्ध होगा। यह मानव मात्र को दिशा देने वाला सिद्धांत है। जैन धर्म प्रकृति के साथ समन्वय बनाकर चलने के लिए प्रेरित करता है। वे यहां जैन विश्व भारती स्थित सुधर्मा सभा का लोकार्पण करने के बाद आयोजित समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने आचार्यश्री महाश्रमण के लाडनूं पदार्पण को पूरे प्रदेश के लिए गौरव की बात बताया और कहा कि अचार्य महाश्रमण लोगों को दिशा प्रदान करते हैं। ये युवाओं को संस्कृति और जागरण का मार्ग दिखाते हैं। उन्होंने महाश्रमण की साधना और ज्ञान को मानव मात्र के लिए समर्पित बताते हुए कहा कि उन्होंने तो अपना पूरा जीवन ही समर्पित किया है। उन्होंने जैन धर्म की प्राचीन परम्पराओं को आधुनिकता से जोड़ कर समाज को नई दिशा दी है।

जैन विश्व भारती से मिलती है पूरी दुनिया को ऊर्जा : मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि जैन विश्व भारती को धर्म, शिक्षा और संस्कार को व्यावहारिक रूप देने में कामयाबी मिली है। मुख्यमंत्री ने बताया कि वे तीन--चार साल पहले यहां दो दिन रहे थे। इन दो दिनों में उन्हें यहां के वातावरण और ऊर्जा को अनुभव किया। इस ऊर्जा का अपने आप में बहुत ही महत्व है। यहां आने वाले हर व्यक्ति को यहां नई ऊर्जा मिलती है और यहां से पूरी दुनिया को ऊर्जा मिलेगी। उन्होंने राजस्थान को आध्यात्मिक व सांस्कृतिक विशेषताओं का गढ कहा और बताया कि यहां की जनता धर्म के मार्ग पर चल कर जीवन को पवित्र करेगी। देश को विश्वगुरू बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सबकी जिम्मेदारी है कि इस मान्यता को और आगे बढा कर प्रतिस्थपित करें और विश्व में सबको रास्ता दिखाने वाले बनें।

अहिंसा, संयम और तप से होता है हर व्यक्ति का मंगल और कल्याण : इस अवसर पर तेरापंथ धर्मसंघ के 11वें अधिष्ठाता आचार्यश्री महाश्रमण ने अपने प्रवचन में सभी धर्मों को मंगल बताते हुए कहा कि अहिंसा, संयम और तप से व्यक्ति मात्र को मंगल और कल्याण होता है। उन्होंने योगक्षे वर्ष का अर्थ बताते हुए कि अज्ञात को प्राप्त करना और जो ज्ञात है, उसकी रक्षा करना ही योगक्षेम है। इसके लिए एक वर्ष का समय तय किया गया है। 6 फरवरी 2026 को उनका प्रवेश हुआ है और 24 फरवरी 2027 को उनका यहां से प्रस्थान होगा। उन्होंने जानकारी दी कि 1989 मे आचार्य तुलसी के समय यहां योगक्षेम वर्ष आयोजित किया गया था, उसके करीब 36-37 साल बाद यह योगक्षेम वर्ष की पुनरावृति होने जा रही है। लाडनूं को आचार्य तुलसी की जन्मस्थली बताते हुए महाश्रमण ने कहा कि अपने युग के धर्माचार्य, जैनाचार्य, तेरापंथ आचार्य होने के साथ ही मानव मात्र के लिए आचार्य तुलसी ने काम किया था। अणुव्रत के माध्यम से उन्होंने जन-जन का उद्धार किया। आचार्य महाप्रज्ञ ने अहिंसा यात्रा के द्वारा जन-जन को अहिंसा, नैतिकता आदि मूल्यों को अपनाने का संदेश दिया था। उन्होंने लाडनूं को तेरापंथ धर्मसंघ का सबसे श्रेष्ठ और प्रथम क्षेत्र बताया। आचार्य महाश्रमण ने प्रातः जैन विश्व भारती में मंगल प्रवेश किया था। उन्होंने रात्रि विश्राम भाग्यश्री में किया थाए जहां से शु वार प्रातः प्रस्थान करके वे पदयात्रा करते हुए भारी जुलूस के साथा जैन विश्व भारती पहुंचे। यहां उनका करीब एक वर्ष पर्यंत योगक्षेम वर्ष प्रवास रहेगा।

विश्वविद्यालय करे विश्व के सम्मुख अनूठा कार्य : राजस्थान पत्रिका समूह के प्रधान सम्पादक डॉ गुलाबचंद कोठारी ने इस अवसर पर अपने सम्बोधन में आचरण को सबसे महत्वपूर्ण मानते हुए आचरण को धर्म व संस्कृति की देन बताया। उन्होंने वर्तमान सता को धर्म व संस्कृति के नाम से खड़ी होना बताया तथा कहा कि स्वयं को धर्मनिरपेक्ष कहने वाली दीवारें इनकी राह के बीच में खड़ी हो रही हैं। उन्होंने जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इसका लक्ष्य होना चाहिए कि यह विश्व के सम्मुख कुछ अनूठा कार्य करे।

शिलालेख का अनावरण एवं नगर पालिका ने किया अभिनन्दन : कार्यक्रम के दौरान नगर पालिका लाडनूं की तरफ से पालिकाध्यक्ष रावत खां ने आचार्य महाश्रमण का अभिनन्दन किया। उनके द्वारा प्रदत्त अभिनन्दन पत्र का वाचन राजकुमार चैरड़िया द्वारा किया गया। इससे पूर्व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सुधर्मा सभा प्रवंचन पांडाल का लोकार्पण शिलालेख का अनावरध करके किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि गुलाबचंद कोठारी, सुधर्मा सभा के निर्माता भागचद बरड़िया व प्रवीण बरड़िया उपस्थित रहे। इस अवसर पर आचार्य महाश्रमण योगक्षेम वर्ष प्रवास समिति के अध्यक्ष प्रमोद बैद, जैन विश्व भारती के अध्यक्ष अमर चंद लूंकड़, जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बच्छराज दूगड़ व राजेन्द्र कठोतिया ने अपने सम्बोधन में पिछले 14 महिनों से जैन विश्व भारती के नवीनीकरण व सौंदर्यकरण कार्य की प्रगति के बारे में विवरण प्रस्तुत किया। सरकार व नगर निकाय द्वारा दिए गए सहयोग का उल्लेख भी किया। कुलपति प्रो दूगड़ ने जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय को अनुशास्ता आचार्य महाश्रमण के अनुशासन का साक्षात् स्वरूप बताया और कहा कि यह अपने ध्येय वाक्य श्णाणं सार मायारो अर्थात् ज्ञान का सार आचार है, को साकार करता है और अनुशास्ता के अनुशासन को जीवंत बना रही है। इस अवसर पर साध्वी प्रमुखा विश्रुत विभा, मुनिश्री महावीर कुमार, साध्वीवर्या सम्बुद्धयशा तथा अन्य विभिन्न जैन मुनि-साध्वी, जैन विश्व भारती के पदाधिकारीगण, जैविभा विश्वविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी आदि एवं बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं एवं आमजन मौजूद रहे।

रामगढ़ में ग्राम उत्थान शिविर का अवलोकन

प्रधानमंत्री के सबका साथ, सबका विकास के मूल मंत्र पर राज्य सरकार निरंतर कर रही कार्य : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने किया 152 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण

ब्यूरो चीफ रवि सिंह किरार/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि किसान, श्रमिक और पशुपालकों सहित अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश के हर गिरदावर सर्किल पर ग्राम उत्थान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों के माध्यम से सरकार स्वयं पात्र लाभान्वितों तक पहुंच रही है और संबंधित कार्यों का त्वरित निस्तारण किया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से इन शिविरों का अधिक से अधिक लाभ लेने का आह्वान किया। शर्मा रविवार को रामगढ़ के ग्राम बहाला में आयोजित ग्राम उत्थान शिविर को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने अलवर शहर के लिए 152 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की सौगात दी। इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और नागरिक सुविधाओं से जुड़े लोकार्पण और शिलान्यास कार्य शामिल हैं।

गांव बन रहे आत्मनिर्भर और सशक्त : मुख्यमंत्री ने कहा कि गांवों में देश की आत्मा बसती है। इसी मूल मंत्र के अनुरूप प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने

गांवों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की रूपरेखा बनाई है। उनके द्वारा प्रारंभ किए गए स्वच्छ भारत अभियान के माध्यम से गांवों को खुले में शौच से मुक्ति मिल रही है। वहीं, प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से करोड़ों परिवारों को पक्के मकान और जल जीवन मिशन के तहत हर घर तक नल से स्वच्छ जल पहुंचाने के कार्य किए जा रहे हैं।

विकसित भारत का संकल्प होगा साकार : शर्मा ने कहा कि वीबी जी राम जी कानून में ग्रामीणों को वर्ष में 100 दिन के स्थान पर 125 दिन का रोजगार मिलेगा। इस कानून के अंतर्गत सभी कार्य पूर्ण पारदर्शिता के साथ और आधुनिक तकनीक के माध्यम से होंगे, जिससे श्रमिकों की मजदूरी सीधे उनके खाते में पहुंचेगी। स्थायी संपत्तियों का निर्माण होगा, जिससे गांवों का बुनियादी ढांचा सुदृढ़ होगा। उन्होंने कहा कि इस कानून में नरेगा की खामियों को दूर किया गया है। यह कानून विकसित भारत के संकल्प को साकार करने का सशक्त माध्यम बनेगा।

1 हजार 800 ग्राम उत्थान शिविरों का आयोजन, ग्रामीणों को मिली राहत : मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक 1800 से ज्यादा ग्राम उत्थान शिविर लगाकर ग्रामीणों को केन्द्र एवं राज्य की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया है। इन शिविरों में 1 लाख 34 हजार से ज्यादा सॉइल हेल्थ कार्ड और 65 हजार से अधिक स्वामित्व कार्ड के वितरण के साथ ही 37 हजार किसान क्रेडिट कार्ड के आवेदन लिए गए हैं। इसी प्रकार लगभग साढ़े 6 लाख पशुओं का उपचार और पीएम सूर्य घर योजना के तहत 36 हजार से

अधिक का पंजीकरण किया गया है।

राजस्थान में 9 हजार रुपये की किसान सम्मान निधि : शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने पशुपालकों के उत्थान के लिए मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना प्रारंभ की है। इसके माध्यम से पशुओं का पंजीकरण हो रहा है और तत्काल स्वास्थ्य प्रमाण पत्र भी जारी किए जा रहे हैं। डेयरी उद्योग को सशक्त बनाने की दिशा में प्राथमिक और डेयरी सहकारी समितियों का पंजीकरण किया जा रहा है। वहीं, महिलाओं को संबल प्रदान करने के दृष्टिगत दूध पर 5 रुपये प्रति लीटर का अनुदान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में किसान सम्मान निधि के तहत किसानों को 9 हजार रुपये की राशि दे रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के सबका साथए सबका विकास के मूल मंत्र पर राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

1 लाख युवाओं को सरकारी नियुक्तियां, 1 लाख 54 हजार भर्तियां प्रक्रियाधीन : मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक 1 लाख से अधिक सरकारी पदों पर नियुक्ति यां दी जा चुकी हैं और 1 लाख 54 हजार से अधिक पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं। वहीं, इस वर्ष के लिए 1 लाख सरकारी पदों पर भर्ती का कैलेंडर जारी किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के दो वर्ष के कार्यकाल में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ। सभी प्रतियोगी परीक्षाएं एवं नियुक्तियां पारदर्शिता के साथ हुई हैं। शर्मा ने युवाओं से मन लगाकर पढ़ाई करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नवीन युवा नीति भी लेकर आई है, जिसमें युवाओं को बिना ब्याज का ऋण दिया जाएगा। इससे युवा रोजगार प्रदाता बनेंगे।

विकसित राजस्थान का मार्ग हो रहा प्रशस्त - केन्द्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री : केन्द्रीय वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री की पहल पर आयोजित ग्राम उत्थान शिविरों के माध्यम से डेयरी सौर ऊर्जा आदि के कार्य सुगमता से हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचार और प्रधानमंत्री की गरीब कल्याण की अवधारणा के अनुरूप प्रदेश में जनकल्याण के कार्य किए जा रहे हैं। सबका साथ, सबका विश्वास सुनिश्चित करते हुए विकसित राजस्थान का मार्ग तेजी से प्रशस्त हो रहा है। यादव ने अलवर में साढ़े 5 लाख लीटर क्षमता की डेयरी के लिए 250 करोड़ रुपये की स्वीकृति हेतु मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार संजय शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में अलवर जिले का निरंतर विकास हो रहा है। रामजल सेतु लिंक परियोजना, महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज, अलवर शहर में जलापूर्ति, कन्या महाविद्यालय जैसी महत्वपूर्ण सौगातें मिली हैं। उन्होंने कहा

कि मुख्यमंत्री की पहल पर जिले में जल संरक्षण के अहम कार्य किए जा रहे हैं।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने ग्राम उत्थान शिविर में 12 विभागों की स्टॉल का अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चैक, प्रमाण पत्र तथा 4 विशेष योग्यजनों को इलेक्ट्रिक व्हील चेयर सौंपी। इस दौरान विधायक महंत बालकनाथ, जसवन्त सिंह यादव, सुखवंत सिंह, रमेश खींची सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

जेडीसी ने किया हीरापुरा-अजमेर रोड़ बस टर्मिनल का निरीक्षण

यात्रियों की सुविधाओं के लिए प्रमुख विकास कार्यों को दी मंजूरी

यात्रियों की सुगमता के लिए बनेंगे वातानुकूलित प्रतीक्षालय, फीडिंग रूम और क्लॉक रूम

नवीन कार्यों के लिए जल्द जारी होंगी निविदाएं

ब्यूरो चीफ हेमलता किरार/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। जयपुर विकास आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने हीरापुरा-अजमेर रोड स्थित बस टर्मिनल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान यात्रियों की सुविधाओं और टर्मिनल के बेहतर संचालन को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इस दौरान जेडीए के अभियंतागण एवं संबंधित अधिकारीगण, आरएसबीटीडी और आरएसआरटीसी के अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

आरएसबीटीडी, सचिव द्वारा पूर्व में जेडीसी को पत्र लिखकर कुछ अतिरिक्त विकास कार्यों का अनुरोध किया गया था, जिसके क्रम में जेडीसी द्वारा बस टर्मिनल का दौरा किया गया। मौका निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने यात्रियों की सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विभिन्न विकास कार्यों को करवाने पर सहमति व्यक्त की। विकास कार्यों के अंतर्गत जल भंडारण हेतु भूमिगत टैंक का निर्माण, प्रवेश एवं निकास द्वार पर बूम बैरियर लगाना, परिसर में हैलोजन लाइट और सीलिंग फैन कार्य, यात्रियों के लिए मोबाइल चार्जिंग पॉइंट, वातानुकूलित प्रतीक्षालय का निर्माण, सामान रखने हेतु क्लॉक रूम, माताओं के लिए फीडिंग रूम, प्लेटफॉर्म शेड को नीचा करने का कार्य, अधिकारियों के लिए निर्मित भवन पर अतिरिक्त मंजिल का निर्माण करवाया जाना प्रस्तावित है। उन्होंने समस्त नए कार्यों हेतु नवीन निविदाएं शीघ्र आमंत्रित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण में पाया गया कि अधिकारियों के लिए बनाए गए 8 कमरों में से वर्तमान में 6 कमरों का उपयोग नहीं हो रहा है। जेडीसी ने संसाधनों के सदुपयोग के निर्देश देते हुए निर्देश दिए कि इन निर्मित कमरों में ही क्लॉक रूम और फीडिंग रूम बनाए जाएं, ताकि यात्रियों को तत्काल सुविधा मिल सके। उल्लेखनीय है कि हीरापुरा बस टर्मिनल का संचालन 16 जनवरी, 2026 से शुरू हो चुका है।

जयपुर में 77वें गणतंत्र दिवस का राज्य स्तरीय समारोह आयोजित। उत्साह, उमंग और उल्लास से मनाया गणतंत्र दिवस

राज्यपाल बागड़े ने विकसित भारत, विकसित राजस्थान के निर्माण में सभी को अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का किया आहवान

ब्यूरो चीफ रवि सिंह किरार/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य, गणमान्यजन उपस्थित रहे। राज्यपाल ने झंडा फहराने के बाद परेड का निरीक्षण किया और सलामी गारद द्वारा प्रस्तुत मार्च पास्ट की सलामी ली।

राज्यपाल बागडे ने इस दौरान गणतंत्र दिवस पर विकसित भारत-विकसित राजस्थान के निर्माण में सभी को अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस हमें हमारे संविधान की महान परंपरा, उसके मूल तत्व और उसके आदर्शों में अटूट आस्था व्यक्त करने का अवसर है।

राज्यपाल ने राजस्थान में विभिन्न क्षेत्रों में हुए अभूतपूर्व विकास की चर्चा करते हुए कहा कि प्रदेश को 2029 तक 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य के साथ राज्य सरकार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्यए कृषि, ऊर्जा, सड़क और औद्योगिक विकास जैसे बुनियादी क्षेत्रों में राज्य ने उल्लेखनीय प्रगति की है। जनहितैषी नीतियों और पारदर्शी शासन व्यवस्था से आमजन का विश्वास सुदृढ़ हुआ है तथा प्रशासनिक जवाबदेही को हर स्तर पर सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने देश के लिए अपना सब कुछ न्योछावर करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों और सीमाओं पर चौकस प्रहरियों के प्रति कृतज्ञता जताते हुए कहा कि उनकी बदौलत ही आज भारत विश्व पटल पर आत्मविश्वास से आगे बढ़ रहा है। राज्यपाल ने इस अवसर पर पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों को राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों और सामाजिक सेवा, सांस्कृतिक क्षेत्र आदि में विशिष्ट योगदान देने वाले लोगों को भी सम्मानित किया। इस अवसर पर लोक कलाकारों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी।

राज्यपाल ने शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए : इससे पहले राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने 77वें गणतंत्र दिवस पर सवाई मानसिंह स्टेडियम के समीप अमर जवान ज्योति पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीदों को नमन किया और मौन रख कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने वहां से रखी पुस्तिका में अपनी ओर से शहीदों के प्रति शब्द कृतज्ञता भी अंकित की।

जय मां सरस्वती विद्यापीठ में मनाया गणतंत्र दिवस समारोह में किया मदर्स ओलंपियाड के सफल प्रतिभागियों को सम्मानित

समारोह में दिव्यांगबच्चों ने किया झंडारोहण, एक नई ऊर्जा और जज्बे के साथ माताओं ने किया जबरदस्त प्रदर्शन, बच्चों ने की हूटिंग

ब्यूरो चीफ निर्मला किरार/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। जय मां सरस्वती विद्यापीठ विद्यालय ने 77वें गणतंत्र दिवस समारोह को उत्साह और उमंग से मनाया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि यशवर्धनी चौहान एवं विशिष्ट अतिथि डेंजिल नाजरथ, रविसिंह किरार, रॉबिनसन, मीना, राजपूत सहित गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में दिव्यांग बच्चों ने गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य पर झंडारोहण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षत विद्यालय के निदेशक कैलाश सैनी ने की। इस अवसर पर विभिन्न गतिविधियों

में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

जय मां सरस्वती विद्यापीठ विद्यालय प्रबंधन कमेटी ने गणतंत्र दिवस से पूर्व विद्यालय के छात्र-छात्राओं के अभिभावकों के लिए खासतौर पर मदर्स के लिए विशेष कार्यक्रम मदर्स ओलंपियाड का शानदार आयोजन किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य संजय सैनी और निदेशक कैलाश सैनी ने बताया कि विद्यार्थियों के लिए तो समय-समय पर विद्यालय में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। इस बार खासतौर पर मदर्स के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें सभी माताओं ने पूरे उत्साह और जूनून के साथ भाग लिया। माताओं के बच्चों ने अपनी माताओं के लिए जबरदसत हूटिंग की और उनका हौंसला बढ़ाया। इस अवसर पर कार्यक्रम समिति की तरफ में महिलाओं के विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें नीबू चम्मच दौड़ में 5 ग्रुप में लगभग 100 महिलाओं ने भाग लिया। इस दौड़ का बच्चों ने खूब आनंद उठाया। अपनी-अपनी माताओं के लिए खूब होंसला अफजाई की। इसी तरह म्यूजिकल चेयर का भी महिलाओं खूब आनंद लिया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।

कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। मुख्य अतिथि डेंजिल नाजरथ, मीना राजपूत, खुशहाली यादव, रविसिंह किरार सहित विद्यालय के निदेशक कैलाश सैनी और प्रधानाचार्य संजय सैनी और विद्यालय के वरीष्ठ अध्यापकों ने दीप प्रज्ज्वल कर कार्यक्रम को आरंभ किया। सबसे पहले विद्यलाय के ध्वज के साथ भव्य परेड़ का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने अनुशासन, एकता और देशभक्ति के साथ पैदल मार्च करते हुए यह संदेश दिया कि अनुशासन और सामूहिक प्रयास से हर लक्ष्य को आसानी से प्राप्त किया जा सकता है।

विद्यालय के सचिव संजय सैनी ने बताया कि इस मदर्स ओलंपियाड का आयोजन इसी उद्देय के साथ किया गया था ताकि माताएं अपनी-अपनी प्रतिभाओं से सभी को अवगत कराए और पूरे दिन को आनंदित कर सके। वे अकसर बच्चों के लिए तैयारी पूरा दिन व्यवती करती है ऐसे में यह मौका था जब बच्चें अपने माताओं को जिताने के लिए पूरा जोर लगा रहे थे। विद्यालय के निदेशक कैलाश सैनी ने बताया कि यह प्रतियोगिता केवल एक खेल का आयोजन मात्र नहीं है बल्कि मातृशक्ति के सम्मान, स्वास्थ्य और आत्मबल को समर्पित एक विशेष पर्व था। माँ केवल परिवार की धुरी नहीं होती, बल्कि वे समाज और राष्ट्र की आधारशिला भी होती है। ऐसी माताओं के लिए यह मदर्स ओलंपियाड़ हमारे विद्यालय की ओर से सम्मान है।

इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन के सदस्य कैलाश सैनी निदेशक, विजयलक्ष्मी प्राचार्या, संजय देवेंद्र सैनी सचिव, रूप सिंह, जावेद, विजय, रामबाबू, नितिन, सुभाष, दीपेंद्र, तालीब, महिला स्टाफ में मीना बिष्ट, रीना रॉबर्ट, उर्मिला, अनिता, तेज कंवर, पुष्पा, तबस्सुम, संतोष सहित पूरे स्टॉफ ने शुभकामनाएं देते हुए अभिभावकों का आभार प्रकट किया।

समर्पण संस्था सदस्यों ने 17वीं एयू जयपुर मैराथन में दिया सामाजिक जागरूकता का संदेश

ब्यूरो चीफ हेमलता किरार/ भव्य परिष्कार

जयपुर। मानवता व परोपकार के लिए समर्पित समर्पण संस्था के सदस्यों ने 17 वीं एयू जयपुर मैराथन में पर्यावरण, स्वच्छता, रक्तदान, बालिका शिक्षा व सेवा से सम्बन्धित सामाजिक जागरूकता संदेशों का प्रदर्शन किया। मैराथन में संस्था से जुड़े 102 सदस्यों नें पंजीकरण करवाकर टीम के साथ 6 किमी ड्रीम रन में भाग लिया। जिसकी शुरुआत में सभी सदस्यों ने समर्पण प्रार्थना उच्चारित की जो सभी के आकर्षण का केंद्र रही।

इस ड्रीम रन में संस्था के संस्थापक अध्यक्ष आर्किटेक्ट डॉ दौलतराम माल्या के निर्देशन में माइक पर स्वच्छता व पर्यावरण के साथ अनेक सामाजिक जागरूकता के नारे लगाते हुए संस्था सदस्य आगे बढ़े। सदस्यों के हाथों में संस्था के बैनर के साथ कुल 19 सामाजिक जागरूकता संदेशों की तख्तियां थीं। इन तख्तियों पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, बेटी को मत समझो भार जीवन का है ये आधार, क्लीन सिटी ग्रीन सिटी, यही है मेरी ड्रीम सिटी, रक्तदान महादान, एक दो एक दो पेड़ काटना छोड़ दो, अब हमने यह ठाना हैं भारत स्वच्छ बनाना है, अगर स्वर्ग मे चाहि स्थान तो कीजिए अंगदान आदि स्लोगन फ्लेक्स पर लिखे हुए थे। संस्था टीम में संस्था के सचिव कोषाध्यक्ष रामअवतार नागरवाल, आर्किटेक्ट रामप्रसाद लोदिया, एड निर्मला सोनी, त्रिलोकमाल्या, राकेश प्रजापत, संजीत कुशवाह सहित सैकड़ों सदस्य शामिल रहे।

पाराशर चिल्ड्रन पैरेडाईज पब्लिक स्कूल में हर्षोल्लास से मनाया वार्षिकोत्सव

मिस्टर और मिस फेयरवेल का हुआ चयन

ब्यूरो चीफ रवि सिंह किरार/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। पाराशर चिल्ड्रन पैराडाईज पब्लिक सीनियर सैकंडरी विद्यालय जयपुर में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने शानदार प्रस्तुतियों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर विद्यालय के कक्षा 12 के मिस फेयरवेल और मिस फेयरवेल का भी चयन किया गया। विद्यलाय के निदेशक रामलाल पाराशर ने दोनों विजेताओं को दुपट्टा ओढ़ाकर और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

विद्यालय के निदेशक रामलाल पाराशर और विद्यालय के स्टाफ ने सभी बच्चों को भविष्य के लिए उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए

शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में सभी अतिथियों को साफा पहनाकर और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। सभी सीनियर विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह देकर यादगार पलों को फोटो में कैद किया। इस अवसर पर पर सभी

विद्यार्थियों खूब आनंद लिया। कार्यक्रम देर शाम तक चला अंत में सभी ने सहभोज का आनंद लिया।

कविता

देख भाई कठपुतली आयी

डॉ आकांक्षा
परिष्कार पत्रिका

पीली हरी लाल नीली
ये सब के मन को भायी
देखो भाई कठपुतली आयी
कैसे-कैसे ये नाच दिखाती
सब के मन को भाती
कभी बंदर बन जाती
कभी बन बिल्ली चूहे को डराती
देखो देखो देखा
गाड़ी में बैठकर आयी
संग अपने लाल-नीला
पैन भी लायी
देखो भई कठपुतली आयी
अरे रे रे ये क्या
पैन की सारी स्याही मुंह पर लगाई
और सिर पर चोक लगा आयी
देखो भाई कठपुतली आयी।

राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय पिलानी, झुंझुनूं

मोदी राष्ट्र प्रथम की नीति पर करते हैं कार्य, राष्ट्र हित के अलावा नहीं करते कोई समझौता : मदन राठौड़

रवि सिंह किरार ब्यूरो चीफ / परिष्कार पत्रिका

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पाली प्रवास के दौरान केंद्रीय बजट, व्यापार नीति, रेल कनेक्टिविटी, सुमेरपुर जवाई बांध पुनरोद्धार, किसानों के हित, संसद की मर्यादा, खेजड़ी संरक्षण तथा राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रेस से संवाद किया। राठौड़ ने कहा कि केंद्र सरकार की ट्रेड डील पूरी तरह भारत के हित में है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हमारे यहां जिन वस्तुओं का प्रचुर उत्पादन होगा उनका निर्यात किया जाएगा और जिनकी कमी होगी, वही आयात होंगी। इस समझौते से देश को नुकसान नहीं बल्कि लाभ होगा। उन्होंने बताया कि पहले 25 प्रतिशत टैरिफ और 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ मिलाकर कुल 50 प्रतिशत शुल्क था, जिसे घटाकर अब सीधे 18 प्रतिशत कर दिया गया है, जिससे व्यापारियों और उद्योग जगत को बड़ा फायदा मिलेगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने रेल कनेक्टिविटी पर बोलते हुए कहा कि रेल मंत्री ने पाली से दिल्ली के लिए रात्रि ट्रेन का आश्वासन दिया है। सीधे कनेक्टिविटी या कनेक्टिंग ट्रेन मिलने की संभावना है। उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रयास है कि भविष्य में पाली को सीधी ट्रेन सेवा भी मिले। सुमेरपुर जवाई बांध पुनरोद्धार परियोजना पर कांग्रेस को घेरते हुए मदन राठौड़ ने कहा कि वसुंधरा राजे सरकार ने सुमेरपुर जवाई बांध पुनरोद्धार के लिए 6 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया था, लेकिन कांग्रेस सरकार ने पांच साल तक कुछ नहीं किया। जाते-जाते टनल चौड़ीकरण के नाम पर 100 करोड़ रुपये दिए, पर वास्तविक काम नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि वर्तमान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सुमेरपुर जवाई बांध पुनरोद्धार के लिए 3 हजार करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं, परियोजना शुरू हो चुकी है और भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया जारी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने केंद्रीय बजट की सराहना करते हुए कहा कि बजट लेखा-जोखा होता है और यह केंद्र का उत्साहवर्धक बजट है। उन्होंने बताया कि 2013 में जहां 1 करोड़ 12 लाख लोग आयकर देते थे, वहीं अब यह संख्या 9 करोड़ हो गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रेलवे लाइनों का विस्तार, विद्युतीकरण और बुनियादी ढांचे का अभूतपूर्व विकास हुआ है। राजस्थान सरकार के कार्यों पर बोलते हुए राठौड़ ने कहा कि राज्य में बिजली व्यवस्था सुदृढ़ हुई है, किसानों को अब दिन में बिजली मिल रही है, औद्योगीकरण को बढ़ावा मिल रहा है और आम नागरिक का जीवन स्तर मजबूत होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि राजस्थान का आगामी बजट भी ऐतिहासिक और जनहितकारी होगा। राठौड़ ने खेजड़ी संरक्षण पर कहा कि भाजपा और सरकार दोनों खेजड़ी को बचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और इसके संरक्षण की गारंटी सरकार ने दी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने संसद में विपक्ष के व्यवहार पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के भाषण के दौरान विपक्ष द्वारा किया गया आचरण लोकतंत्र के लिए घातक है। महिला सांसदों को आगे कर हंगामा कराना और माइक के सामने आकर चिल्लाना पूरी तरह असंसदीय कृत्य है, जिसे देश की जनता कभी माफ नहीं करेगी।

राजकीय सेठ आनंदी लाल पौद्धार बधिर विद्यालय में हर्षोल्लास से मनाया कक्षा 12 वीं का विदाई समारोह

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। राजकीय सेठ आनन्दी लाल पोद्दार बधिर उच्च माध्यमिक विद्यालय त्रिमूर्ति सर्किल जयपुर में कक्षा 12 के विद्यार्थियों का विदाई समारोह सायंकाल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के आयोजक पुष्पादेवी चेरिटेबल ट्रस्ट रहा। इस्ट के डा सुवन गिल ने बालकों को परिश्रम हेतु प्रेरित किया। अच्छा परिश्रम ही सफलता की कुंजी है यह भी बताया। मुख्य अतिथि डा भुवनगिल रहे। विशिष्ट अतिथि कमल पानगडिया, अन्य अतिथियों में डा सुरेन्द्र आर्या ग्रुप ऑफ कालेजेज भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में बधिर बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम एकाअभिनय, रैम्प वांक व नृत्य प्रस्तुत किये गये। संस्थान के प्रधानाचार्य ही भरत जोशी ने विद्यार्थियों को अच्छे परीक्षा परिणाम हेतु परिश्राम हेतु प्रेरित किया। विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा पूर्व में भी अच्छे परिणाम दिये जाते रहे है। इस वर्ष भी अच्छे परिक्षा परिणामणि आशा है। मंच संचालक सतीश शर्मा ने मंच से उद्घोषणा की संजय भारद्वाज विशेष शिक्षक ने सांकेतिक भाषा में अनुवाद किया।

आरएएस भर्ती-2024 साक्षात्कार का छठवां चरण 16 फरवरी से होगा प्रारंभ

ब्यूरो चीफ हेमलता किरार/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के साक्षात्कारों का विस्तृत कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। इसके अनुसार राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2024 के छठवें चरण के इंटरव्यू 16 फरवरी से शुरू होकर 26 फरवरी 2026 तक चलेंगे। इस भर्ती के साक्षात्कार में उपस्थित होने वाले समस्त अभ्यर्थियों को ऑनलाइन भरे गए विस्तृत आवेदन

पत्र डाउनलोड कर साक्षात्कार के समय दो प्रतियों में मय समस्त प्रमाण.पत्रों की फोटो प्रति एवं समस्त मूल प्रमाण-पत्रों सहित प्रस्तुत करना होगा।

सहायक आचार्य पदों का साक्षात्कार कार्यक्रम :
इसके अलावा सहायक आचार्य कॉलेज शिक्षा विभाग भर्ती-2023 अन्तर्गत सहायक आचार्य-एबीएसटी के अंतिम चरण के साक्षात्कार का आयोजन 16 से 17 फरवरी 2026 तक किया जाएगा।

18 से 26 फ़रवरी 2026 तक सहायक आचार्य केमिस्ट्री, इकोनॉमिक्स तथा हिस्ट्री विषय के प्रथम चरण के साक्षात्कार आयोजित किए जाएंगे। उक्त सभी पदों हेतु साक्षात्कार में उपस्थित होने वाले ऐसे अभ्यर्थी, जिन्होंने पूर्व में अपना विस्तृत आवेदन-पत्र आयोग को प्रस्तुत नहीं किया है, वे विस्तृत आवेदन-पत्र आयोग की वेबसाइट से डाउनलोड कर साक्षात्कार के समय दो प्रतियों में समस्त प्रमाण-पत्रों की फोटोप्रतियों के साथ अनिवार्य रूप से लाएं।

अभ्यर्थियों के लिए महत्वपूर्ण निर्देशः साक्षात्कार के समय अभ्यर्थियों को स्वयं का नवीनतम पासपोर्ट साइज रंगीन फोटो, नवीनतम स्पष्ट फोटोयुक्त मूल पहचान-पत्र एवं समस्त मूल प्रमाण-पत्र मय फोटो प्रति साथ लाना अनिवार्य होगा। इन दस्तावेजों के अभाव में साक्षात्कार से वंचित कर दिया जाएगा। अभ्यर्थियों के साक्षात्कार पत्र यथासमय वेबसाइट पर अपलोड कर दिए जाएंगे।

केंद्रीय बजट 2026-27 के विकसित भारत दृष्टिकोण में दलित आदिवासी समुदाय के लिए बजट जनसंख्या के अनुपात में आवंटित नहीं करना चिंताजनक

पीएआरए और राजस्थान दलित अधिकार केन्द्र ने जारी किया संयुक्त प्रेस वक्तव्य

ब्यूरो चीफ रवि सिंह किरार/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। वर्ष 2026 वास्तव में भारत के लिए आर्थिक विस्तार और विकास के लिहाज़ से एक अत्यंत महत्वपूर्ण वर्ष है, चाहे वह क्षेत्रीय स्तर पर हो या वैश्विक स्तर परए जहाँ भारत का योगदान लगातार बढ़ रहा है और भू-राजनीतिक परिदृश्य में उसकी स्थिति स्पष्ट रूप से मज़बूत होती जा रही है। भारत ने आधिकारिक रूप से अध्यक्षता संभाल ली है और आगामी 18 वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेज़बानी करने जा रहा है, जिसका फोकस लचीलापन और नवाचार पर आधारित है। भारत ने हाल ही में यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौता एफटीए भी किया है, जिससे बड़े पैमाने पर निवेश आने और रोज़गार के नए अवसर पैदा होने की संभावना है। इसी पृष्ठभूमि में वित्त मंत्री द्वारा केंद्रीय बजट प्रस्तुत किया गया, जिसमें आम लोगों और समुदायों के लिए बहुत कम प्रावधान दिखाई देते हैं, जबकि ज़ोर मुख्य रूप से अवसंरचना विकास पर दिया गया है। यह एफटीए देश के लिए आर्थिक उछाल का वादा करता है, जो लगभग 20 लाख लोगों और भारत तथा यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के जीडीपी को प्रभावित करेगा और इसे मदर ऑफ ऑल डील्स के रूप में देखा जा रहा है।

दलितों और आदिवासियों के लिए यह सुनिश्चित करने हेतु कि विकास की प्रक्रिया उनके लिए भी जारी रहेए कोई ठोस या नई पहल दिखाई नहीं देती। वित्त वर्ष 2026-2027 के लिए कुल केंद्रीय बजट 5,831,099 करोड़ रुपये का है। इसमें दलितों के लिए 1,96,400 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है और आदिवासियों के लिए 1,41,088,6 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। यद्यपि यह आवंटन जनसंख्या के अनुपात में होना चाहिए, लेकिन आदिवासियों के लिए आवंटन अपेक्षा से अधिक है, जबकि दलितों के लिए 43,207 करोड़ रुपये की कमी रह गई है। गहन विश्लेषण से यह भी स्पष्ट होता है कि अनुसूचित जातियों के लिए केवल लगभग 75,077 करोड़ रुपये और अनुसूचित जनजातियों के लिए लगभग 62,093 करोड़ रुपये ही वास्तव में सीधे लक्षित आबादी तक पहुँचते हैं। शिक्षा दलितों और आदिवासियों के विकास के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र है। अनुसूचित जातियों के लिए पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति के अंतर्गत 6,360 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है, जो पिछले वर्ष के 5,900 करोड़ रुपये से अधिक है, जबकि आदिवासियों के लिए आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो 2,462,68 करोड़ रुपये से बढ़कर 3,176,48 करोड़ रुपये हो गया है। राष्ट्रीय विदेश छात्रवृत्ति के अंतर्गत एससी के लिए इस वर्ष 125 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है, जो पिछले वर्ष 130 करोड़ रुपये था, जबकि एसटी के लिए यह 2025-26 में 0.01 लाख रुपये से बढ़कर इस वर्ष 20.00 करोड़ रुपये हो गया है। इसी प्रकार, प्री-मैट्रिक योजना के अंतर्गत आवंटनएससी के लिए 577.96 करोड़ रुपये पर स्थिर बना हुआ है, जबकि एसटी के लिए यह पिछले वित्त वर्ष के 313.79 करोड़ रुपये से बढ़कर 339.05 करोड़ रुपये हो गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने विनियम 2026 से जुड़ा हालिया मुद्दा भविष्य की बहस का विषय है और यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि समानता सुनिश्चित करने के लिए की गई एक छोटी-सी सतर्क पहल भी समाज के विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग को विचलित, असहज और परेशान कर देती है। माँग स्पष्ट है कि न्ळब् के दिशानिर्देशों को प्रभावी रूप से लागू किया जाए और उनके लिए पर्याप्त बजट आवंटन सुनिश्चित किया जाए।

कुछ सिफारिशें निम्नलिखित हैं : केंद्रीय क़ानून

1. केंद्रीय एससीपी एवं टीएसपी क़ानून लागू किया जाए : सरकार को एससीपी एवं टीएसपी बजट के लिए एक केंद्रीय क़ानून बनाना चाहिए, ताकि विकास की खाइयों को कानूनी रूप से पाटा जा सके।
2. पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए : क़ानून में पारदर्शिता और जवाबदेही के कड़े विधायी सिद्धांतों का पालन अनिवार्य किया जाना चाहिए, ताकि वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित हो सके।

सार्वजनिक स्वास्थ्य :

1. सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि एनएचएम, पीएमजेएवाई जन औषधि और पीएम पोषण सहित विभिन्न स्वास्थ्य पहलों के अंतर्गतएससी औरएसटी के लिए किया गया आवंटन सुरक्षित रहे और उसका दुरुपयोग न हो।
2. ग्रामीण तथा एससी/एसटी क्षेत्रों में जन औषधि केंद्रों की संख्या बढ़ाकर और यह सुनिश्चित करके कि सार्वजनिक अस्पताल जेनेरिक दवाओं के पर्चे की नीतियों का पालन करें, किफायती दवाओं तक पहुँच में सुधार किया जाना चाहिए।
3. सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय को जीडीपी के 1.3 प्रतिशत से ऊपर बढ़ाया जाना चाहिए, साथ ही एससी और एसटी के स्वास्थ्य संकेतकों के लिए स्पष्ट और मापने योग्य परिणाम तय किए जाने चाहिए।
4. एससी और एसटी महिलाओं के स्वास्थ्य पर विशेष ज़ोर दिया जाना चाहिए और मातृत्व, प्रजनन तथा मानसिक स्वास्थ्य के लिए ऐसी लक्षित पहल की जानी चाहिए, जो जाति और लिंग की जटिलताओं को संबोधित कर सके।

शिक्षा : सरकार को आधार पेमेंट ब्रिज प्रणाली को मज़बूत करके छात्रवृत्तियों का समय पर वितरण सुनिश्चित करना चाहिए और देरी के लिए जिम्मेदार संस्थाओं को जवाबदेह ठहराना चाहिए।

S यह सिफारिश की जाती है कि पोस्ट-मैट्रिक और राष्ट्रीय विदेश छात्रवृत्ति को ट्यूशन फीस की मुद्रास्फीति दर के अनुरूप बढ़ाया जाए।

S हम प्रधानमंत्री गर्ल्स हॉस्टल योजना पर पुनर्विचार या उसके पुनर्गठन की सशक्त सिफारिश करते हैं, ताकि एससी और एसटी बालिकाओं के शैक्षणिक अवसरों की रक्षा हो सके, क्योंकि सुरक्षित आवास शिक्षा तक समान पहुँच और दीर्घकालिक सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है।

S उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने वाले विनियम- 2026 को लागू करने के साथ-साथ, यूजीसी को उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराने चाहिए।

प्रकाशन के लिए सम्पर्क करें

सभी प्रकार की खबरें, पर्सनल इंटरव्यू, स्टोरीज, क्लासिफाइड एडवर्टिजमेंट, कोर्ट नोटिस, सभी तरह के विज्ञापन, शुभकामनाएं व शोक संदेश, तीये की बैठक, श्रद्धांजलि, पुण्यतिथि, बधाई संदेश, सजावटी विज्ञापन, खोयापाया सूचना, निविदा सूचना, आम सूचना, आवश्यकता, नाम परिवर्तन, वैवाहिक, प्रेस विज्ञप्ति और प्रेस कॉन्फ्रेंस की न्यूज इत्यादि प्रकाशित करवाने के लिए सम्पर्क करें।
समाचार पत्र में कार्य करने हेतु संवाददाता एवं फोटो जर्निलिस्ट जयपुर, अजमेर, जोधपुर, सीकर के लिए सम्पर्क करें।

: परिष्कार मीडिया नेटवर्क :
ब्रांच ऑफिस : शॉप नं. 2, प्लाट नं. 36, भैरव नगर, ईएसआई हॉस्पीटल के आगे, हटवाड़ा रोड़, जयपुर-302006
मो. 9314407796, 9351311820
www.parishkarpatrika.com
parishkarpatrika@gmail.com

Reg. No. 259/2001 Estd. 2001

Jai Maa Saraswati Vidhyapeeth Sr. Sec. School

54, Durga Vistar Colony, Raval Ji Ka Bandha, Behind NBC Quarters, Jaipur, Rajasthan 302006

Nur. to XII Hindi & English Medium (Arts & Com.)

Admission OPEN Now

Congratulations to All My Dear Students & Parents

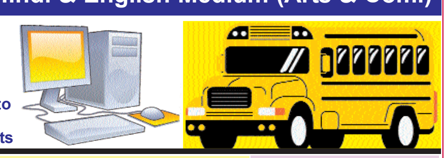

Our Goals & Ambitious :-
1. In this session, we have started a Special program for students and their parents in our School.
2. Compulsory medical insurance for all students.
3. Book-Bank has been started so that parents can besaved from the financial burden of buying books in the coming session.
4. To increase the students moral values, We have decided to go to OLD AGE HOME with students and their parents.

Our Facilities:
1. Live Camera on the Class.
2. Transport Facilities.
3. Computer Laboratories.
4. Libraries.
5. Sports Facilities.
6. Indoor & Outdoor Play Areas.

Director : Sanjay Sir Contact : 9251467543

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक, मुद्रक और संपादक रवि सिंह किरार द्वारा एम बी प्रिन्टर्स डिग्गी हाऊस, एफ 76 करतापुरा औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर से मुद्रित तथा 89, संतोष नगर, अजमेर रोड़, जयपुर से प्रकाशित। फोन नं. 9314407796 parishkarpatrika@gmail.com
www.parishkarpatrika.com, www.parishkarpatrika.page प्रधान संपादक हेमलता किरार तथा सलाहकार श्रवण सिंह किरार, विजय सिंह किरार, प्रचार एवं प्रसार प्रबंधक डी कुमार चित्र, शायर सिंह किरार, अंशुल किरार 8764400196 Whatsup